हिन्दी विभाग

एम॰ ए॰ प्रवेश परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

क्रम	विषय	अंक
(A)	**हिन्दी साहित्य का इतिहास** : आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल हिन्दी का गद्य साहित्य : उद्भव एवं विकास, प्रमुख विधाएँ - उपन्यास, कहानी, निबन्ध, नाटक, आलोचना एवं अन्य विधाएँ	40
(B)	**साहित्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना** (क) भारतीय काव्य शास्त्र : काव्य का स्वरूप, प्रयोजन एवं भेद, रस स्वरूप, अवयव, भेद, अलंकार का स्वरूप, महत्व, काव्य-गुण, काव्य-दोष, शब्द-दोष (क्लिष्टत्व, च्युत संस्कृति), पद दोष (न्यूनपदत्व, अधिक पदत्व), अर्थ दोष (संदिग्धत्व, दुष्क्रमत्व, दूरान्वय) रस दोष, शब्द-शक्तियाँ। (ख) पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अनुकृति सिद्धान्त, शास्त्रीयतावाद, स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, रूपवाद, नयी समीक्षा, कल्पना, बिम्ब, प्रतीक, मिथक, फैंटेसी। (ग) हिन्दी आलोचना : आलोचना का स्वरूप और परिभाषा, आलोचक के गुण, आलोचना की पद्धतियाँ, हिन्दी आलोचना का विकास, प्रमुख आलोचक - आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ॰ नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, डॉ॰ नामवर सिंह।	30
(C)	**हिन्दी भाषा, देवनागरी लिपि एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी** (अ) हिन्दी भाषा : हिन्दी का उद्भव और विकास, हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति, उसका अर्थ, विकास, हिन्दी भाषा का विकास, भाषा और बोली, हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ, हिन्दी के साहित्यिक रूप, हिन्दी शब्द समूह और उसके मूल स्रोत। हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण, हिन्दी भाषा की सामाजिक और सांस्कृतिक भूमिका। (ब) देवनागरी लिपि : नामकरण, उद्भव और विकास, वैज्ञानिकता, त्रुटियाँ और सुधार के प्रयत्न। (स) प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयोजनमूलक हिन्दी का अभिप्राय। समाचार हिन्दी पत्रकारिता : उद्भव और विकास, स्वरूप और वर्तमान परिदृश्य, समाचार लेखन और शीर्षकीकरण। प्रमुख जनसंचार माध्यम : प्रेस, रेडियो, टी॰वी॰ एवं फिल्म का संक्षिप्त परिचय एवं जनसंचार में इनकी भूमिका। अनुवाद : स्वरूप एवं प्रक्रिया, कार्यालयी अनुवाद, तकनीकी अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद।	30